486. मानचित्र में छायांकित क्षेत्र प्रदर्शित करता है-

(a) 80 सेमी से अधिक वर्षा क्षेत्र
(b) 60-70 सेमी. वर्षा क्षेत्र
(c) 50-60 सेमी. वर्षा क्षेत्र
(d) 50 सेमी. से कम वर्षा क्षेत्र

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (a) राजस्थान के सन्दर्भ में दिये गये मानचित्र में प्रदर्शित क्षेत्र 80 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र को दर्शाता है। यह क्षेत्र सिरोही, उदयपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, झालावाड़ा, कोटा, बारां इत्यादि जिलों में विस्तृत है।

487. राजस्थान के कृषि जलवायु प्रदेश IIB लूनी का संक्रान्ति मैदान में कौन से जिलों का समूह सम्मिलित है-

(a) जालौर, पाली और सिरोही
(b) नागौर, सीकर और झुन्झुनूं
(c) पाली, जोधपुर और बाड़मेर
(d) जालौर, बाड़मेर और जोधपुर

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (a) राजस्थान के कृषि जलवायु प्रदेश IIB लूनी बेसीन का संक्रमणकालीन मैदान क्षेत्र जालौर, पाली और सिरोही जिले में विस्तृत है। यहाँ मुख्य रूप से गेहूँ एवं सरसों की कृषि की जाती है। IIB कृषि जलवायु प्रदेश नागौर, सीकर एवं झुन्झुनूं जिले में विस्तृत है।

488. वार्षिक वर्षा की प्रतिशत मात्रा में अधिक उतार-चढ़ाव वाला जिला है–

(a) बाड़मेर **(b)** जयपुर
(c) जैसलमेर **(d)** बाँसवाड़ा

उत्तर - (d)

RPSC RAS/RTS 1944-95

व्याख्या—राजस्थान में वार्षिक वर्षा का औसत 57 सेमी0 है, जिसका वितरण 10 से 100 सेमी0 के मध्य है। राज्य में वर्षा का समय, मात्रा और वितरण अनिश्चित एवं असमान है। जिला स्तर पर सर्वाधिक वर्षा झालावाड़ में 100 सेमी0 और सबसे कम 10 सेमी0 जैसलमेर जिले में होती है। राज्य में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान सिरोही जिले का माऊण्ट आबू है, जहां वार्षिक वर्षा का औसत 150 सेमी0 से अधिक है। वार्षिक वर्षा की प्रतिशत मात्रा में अधिक उतार-चढ़ाव वाला जिला बांसवाड़ा है।

489.जब पुष्कर की पहाड़ियों में भारी वर्षा होती है तो बाढ़ कहां आती है?

(a) अजमेर (b) सवाई माधोपुर
(c) बालोतरा (d) सोजत

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या — जब पुष्कर की पहाड़ियों में भारी वर्षा होती है तो बाढ़ अजमेर में आती है।

490.एक विशेष दिन व समय में चुरू में 48° C व शिमला में 24°C तापमान था। सभी रूपों में समान धातु के दो प्यालों में पानी, चुरू में 95°C व शिमला में 71°C पर रखा गया। दोनों में से कौन-सा प्याला कमरे के तापमान पर पहले पहुंचा?

(a) चुरु में रखा प्याला
(b) शिमला में रखा प्याला
(c) दोनों प्याले कमरे के तापमान पर एक ही समय पहुंचे।
(d) परिणाम प्राप्त करने के लिए आंकड़े पर्याप्त नहीं है।

उत्तर – (c)

व्याख्या– चूंकि एक विशेष दिन व समय में चुरू में तापमान था 48°C तथा शिमला में तापमान था 24°C
चुरू में पानी रखा गया 95°C पर
शिमला में पानी रखा गया 71°C पर
अतः चुरू और शिमला में पानी के तापमान तथा कमरे के तापमान का अन्तर क्रमशः (95°C–48°C = 47°C) तथा (71°C – 24°C = 47°C)
अतः दोनों प्याले कमरे के तापमान पर एक ही समय पहुंचे।

491. राजस्थान में मई-जून महीनों में उत्पन्न होने वाली धूलभरी आँधियों के लिए उत्तरदायी हैं :

(अ) कुछ स्थानों पर संवहनीय धाराओं की उत्पत्ति
(ब) अरावली पहाड़ियाँ दक्षिण-पश्चिम हवाओं के समांतर हैं।
(स) अति तीव्रगामी पूर्वी हवाओं की उत्पत्ति

(a) (अ) एवं (स) (b) (अ), (ब) एवं (स)
(c) (अ) एवं (ब) (d) केवल (अ)

उत्तर (d)

RPSC RAS/RTS 2018

व्याख्या- राजस्थान में अप्रैल एवं मई माह में सूर्य के लम्बवत् चमकने के कारण दैनिक तापक्रम में वृद्धि होती है। सर्वाधिक दैनिक तापमान (40 से.–50 से.) राजस्थान के पश्चिमी भागों में मुख्यत: फलौदी, जैसलमेर, श्री गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर आदि में पाया जाता है। थार मरूस्थल का दैनिक ताप अधिक है, परिणामस्वरूप दिन में तापक्रम अत्यधिक एवं रात में काफी कम हो जाता है। दैनिक ताप परिसर अरावली के पश्चिम में लगभग 20 से. तक अंकित है। स्थानीय ताप प्रचण्ड संवहन धाराओं को जन्म देता है जिसके परिणामस्वरूप धूल के भंवरों की उत्पत्ति होती है। इन्हें स्थानीय भाषा में 'भभूल' या 'भभूल्या' कहते हैं। यदा-कदा धूल के तूफान तापक्रम में अचानक तापमान में गिरावट लाते हैं, जिसके कारण कभी-कभी वर्षा हो जाती है।